श्री साजन जी के मुख के शब्द

विचार ईश्वर आप नूं मान।
अव विचार ईश्वर इक जान।।
विचार इक अपना आप ही मान।
अव विचार कुल दुनियां जान।।
विचार करो है ईश्वर है अपना आप।
अव विचार ईश्वर है इक साथ।।
ईश्वर है अपना आप प्रकाश।
ईश्वर है जे अजपा जाप।।

अव विचार जेहड़ा चलदा है सजन, चार चुफेरे हार ओ खांदा है।
विचार है जित तुम्हारी ओ सजनों, हर पासियों ओ जितदा रैंहदा है।।
अव विचार है जे कवलड़ा रस्ता, हर पासियों ओ ठोकरां खांदा है।
विचार है जे सवलड़ा रस्ता, सदा ही ओ जितदा रैहंदा है।।

-शब्द-

हम तो हैं आज़ाद, हुण किसदी सुनूं फरियाद, सजनों हुण किसदी सुनूं फ़रियाद।
एहोफ़रियादहैजेअपनीकमाई,एहोकमाईकरोसजनोंसुखदाई,सजनोंकरोसुखदाई।।

(श्री साजन जी कह रहे हैं)

श्री राम रूप है प्यारा, ओ श्री राम रूप।
राम रूप जगत है सारा, ओ श्री राम रूप।।
सब जन एहो ही कैहंदे ने।
हनुमान जी सांवले चरणों में रैहंदे ने।।
लेकर चरणों दा सहारा ओ श्री राम रूप।
श्री राम रूप है प्यारा ओ श्री राम रूप।।